बिहार विधान–सभा वादवृत्त

बुधवार तिथि 5 जुलाई, 1989 ई०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान–सभा का कार्य–विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में बुधवार तिथि 5 जुलाई, 1989 ई० को पूर्वाह्न 10.00 बजे सभापति, श्री भोला सिंह के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

विश्वनाथ त्रिवेदी,
सचिव,
बिहार विधान–सभा

पटना
तिथि 5 जुलाई, 1989 ई०

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, बजट के बहस के दौरान दर्जनों माननीय सदस्यों ने इस बात पर चिन्ता जाहिर की है। इस राज्य की आर० एल० ई० जी० पी० और एन० आर० ई० पी० के तहत जो स्कीम्स हैं, और ऑन गोइंग स्कीम्स हैं उसकी पूर्त्ति के लिये जब तक सरकार कोई दूसरी व्यवस्था नहीं करेगी तो वर्त्तमान जवाहर योजना से केवल 20 प्रतिशत की राशि मुहैया करने से इन योजनाओं को पूरा करना मुश्किल हैं। इसलिये 20 प्रतिशत के हिसाब से मैंने कल फिगर का आंकड़ा बताया था सदन में, हमको लगभग 60 करोड़ रुपया पड़ेगा । ऐसी स्थिति में हम सरकार से जानना चाहते हैं कि क्या सरकार पुराने आर० एल० ई० जी० पी० और एन० आर० ई० पी० के तहत जितनी योजनाएं चल रही है और स्वीकृत हैं, उसकी समीक्षा करके उसको पूरा करने का विचार सरकार रखती है ?

अध्यक्ष : मंत्रीजी, पहले थोड़ी जानकारी लीजिए। हम समझाते हैं कि बजट में पुराने आर० एल० ई० जी० पी० और एन० आर० ई० पी० की योजनाओं को कम्पलीट करने के लिये कुछ किया गया है । आप जानकारी लेकर हाउस को बतायें । यह चिन्ता माननीय सदस्यों की जरूरी है। इसलिये आज हम इसको स्थगित करते हैं।

योजना का कार्यान्वयन

'498. श्री खलील अंसारी- क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगें कि –

(1) क्या यह बात सही है, कि सीतामढ़ी में लखनदेई नदी पर सीता सेतु के निर्माण का कार्य तीन वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुआ जिसमें मात्र 25 प्रतिशत कार्य अभी तक हुआ है;

(2) यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त योजना को पूरा कराने एवं कार्य में लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों के विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

श्री राम शरण प्रसाद सिंह : (1) इस संबंध में स्थिति यह है कि 6-3-87 को इस पुल के निर्माण का कार्य सभी औपचारिक्ताओं को पूरा कर प्रारम्भ किया गया । इसकी प्रशासनिक स्वीकृति 53.34 लाख रुपये की दी गयी है । इसके तीन कुपों में से दो कुपों का कार्य समाप्त कर लिया गया है । तीसरे कुप की गलाई लगभग पूरी हो चुकी है । बीच का कूप में टिल्ट अनुज्ञेय सीमा से अधिक हो जाने के कारण कार्य की प्रगति में बाधा पड़ी है। दक्षिणी एप्रोच रोड का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है और उत्तरी पहुंच पथ के एप्रोच रोड भू-अर्जन की प्रक्रिया अन्तिम चरण में है।

(2) उपर्युक्त खंड -1 में दिये गये उत्तर से प्रतीत होगा कि कार्य प्रगति पर है और इसके विलम्ब के लिये कोई पदाधिकारी दोषी नहीं हैं। कार्य 1990 के बरसात के पहले समाप्त किया जायेगा ।

श्री खलील अंसारी : अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहते हैं कि पुल निर्माण निगम को प्राक्कलित राशि उपलब्ध हो गयी दो साल पहले तो एप्रोच रोड अभी तक नहीं बनने का क्या कारण है ?

श्री राम शरण प्रसाद सिंह : हुजूर इसमें तीन कुआं है कुआं 1 एवं 3 की गलाई पूरी हो चुकी हैं परन्तु कुंआ संख्या 2 टिल्ट 1: 80 की परमिशिबुल लिपिट की जगह 1:40 हो गया है । इसके कारण देरी हो गयी है। एप्रोच रोड में काम लगा हुआ है । उत्तरी पहुंच

पथ के एप्रोच रोड के लिये भू-अर्जन का काम हो रहा है । वह अगले साल पूरा हो जायेगा ।

श्री रामशरण प्रसाद सिंह : वह अगले साल जून के पहले पूरा हो जायेगा ।

श्री खलील अंसारी : माना कि कुआं टेढ़ा होने के वजह से बनने में देर हुई लेकिन मेन काम एप्रोच रोड पूरब एवं पश्चिम बनना है । माननीय मंत्री ने बतलाया एक भी पैसा पुरब तरफ के एप्रोच रोड पर खर्च नहीं हुआ है, पश्चिम एप्रोच रोड में कुछ मिट्टी का कार्य हुआ है, लेकिन अब वह भी नहीं हो सकेगा । मैं माननीय मंत्री से निश्चित रूप से जानना चाहता हूं कि यह काम कब तक पूरा (कम्पलिट) हो जायेगा ?

श्री रामशरण प्रसाद सिंह : जून, 90 तक पूरा हो जायेगा।

श्री रघुनाथ झा : पूर्वी एप्रोच रोड पर कई लोगों ने जबरन मकान बनाने का काम शुरू कर दिया है लोग इसमें बाधा पहुंचा रहे है ।

श्री रामशरण प्रसाद सिंह : बाधा इसमें कई प्रकार के हुए है। एक तरफ भू-अर्जन हो गया है और उस पर एप्रोच रोड पर काम कर रहे है, दूसरी तरफ के भू-अर्जन की इंतजारी है इसमें ऐसी व्यवस्था हो गयी है कि जल्द ही जमीन उपलब्ध हो जायेगी और उस पर एप्रोच रोड बनायेंगे ।

श्री रघुनाथ झा : मैं वहां का रहने वाला हूं, मैं स्पष्ट रूप से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो इनका एप्रोच रोड पूरब की तरफ है, उस पर लोग मकान बनाये जा रहे हैं ऐसी स्थिति में जिलाधिकारी को निदेश देंगे कि वहां पर जो इनक्रोचमेंट किया जा रहा है, जबरन मकान बनाया जा रहा है, पीछे बाधा ही होगी इसको रोकने का काम करायेंगे ?

श्री रामशरण प्रसाद सिंह : भू-अर्जन का काम राजस्व विभाग करता है, जब ये भू-अर्जन करके देंगे तब एप्रोच रोड बनायेंगे । अभी यह अधिकार नहीं है, जब जमीन हमारी हो जायेगी तब ही कलक्टर को कह सकेंगे।

श्री सदानन्द सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री रघुनाथ झा ने जो प्रश्न किया कि जिलाधिकारी से आप आग्रह करें- जो एप्रोच रोड बन रहे हैं उस पर अतिक्रमण हो रहा है और यह बात सही है कि यह जो भू-अर्जन की कार्रवाई करनी है, वह राजस्व विभाग के द्वारा किया जाता है, लेकिन राजस्व विभाग के अधिकारी जिलाधिकारी के अधीन रहते हैं, वहीं पर जिलाधिकारी के अधीन भू अर्जन पदाधिकारी रहते हैं वही भू-अर्जन करते हैं, जिलाधिकारी के माध्यम से यह कार्य होता है, इसमें कौन-सी बात आ गई जिस कारण ये जिलाधिकरी को निदेश क्यों नहीं देंगे ? निदेश जब जनहित में है, उनको निदेश देना चाहिये इनक्रोचमेंट जो हो रहा है उसको रोकने के लिये ।

श्री रामशरण प्रसाद सिंह : काम प्रोग्रेस में है, कहां मकान बन रहा है, यह जानकारी नहीं है-काम प्रोग्रेस में है।

जब इसकी आवश्यकता होगी हुजूर अगर सरकार शक्ति के उपयोग की आवश्यकता होगी तो उसको किया जायेगा, लेकिन हमने हुजूर निवेदन किया कि जून 90 तक रोड में पुल देंगे ।

रघुवंश प्रसाद सिंह : यह कार्य 1984 में शुरू हुआ पांच वर्ष हो गये, 1989 बीत रहा है, पांच वर्ष हो गये, इसमें और कितना समय लगेगा। इसका जवाब अध्यक्ष महोदय दिलाया जाय।

अध्यक्ष : मंत्री जी ।

(शोरगुल)

श्री रामशरण प्रसाद सिंह : मैंने कहा कि जून 90 तक पूरा हो जायेगा।

अध्यक्ष : शांति, शांति माननीय मंत्री एक रफ अंदाज तो दीजिये कब तक पूरा हो जायेगा?

श्री रामशरण प्रसाद सिंह : जून, 1990 में पूरा हो जायेगा, निश्चित हो जायेगा।

निर्माण कार्य पूरा करना

*499. **श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (बेलसंड)**-क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

क्या यह बात सही है, कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बेलसंड और तरियानी प्रखंड की किशनपुर, छतौनी, छत्ता, सड़क, कुशहर, बंलाही, दुलह भीर्सा सड़क सखौली-कन्हौली हीरा सड़क एन० आर० ई० पी० द्वारा निर्माणाधीन है, यदि हां तो इन सड़कों का निर्माण कार्य सरकार कब तक पूरा कराना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

श्री सुशीला करकेट्टा : खंड-1 उत्तर अंशतः स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि तरियानी प्रखंड के बिशुनपुर छतौनी छाता पथ का प्राक्कलन पांच भागों में प्राप्त हुआ था जिसमें प्रथम भाग की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी थी । इस भाग में मिट्टी एवं पुलिया का निर्माण कार्य पूर्ण है । शेष कार्य बाकी है। बेलाही दलह पी० डब्लू० डी० पथ से वस्तुरिया मीसा पथ का प्राक्कलन तीन भागों में प्राप्त हुआ था जिसमें से प्रथम एवं